सफलता की कहानी

यह कहानी एक गरीव परिवार प्यार चन्द स्पुत्र श्री कांशी राम गांव नई जिमी(वाडी) की है कहानी का शीर्षक है ‘विकास की राह’

मैं प्यार चन्द स्पुत्र श्री कांशी राम गांव नई जिमी(वाडी) ग्राम पंचायत खाजियार का स्थाई निवासी हू। मैं एक बहुत की गरीव परिवार से सम्बन्ध रखता हूं। मेरे परिवार में पांच सदस्यश हैं जिसमें हम दोनों पति–पत्नी , दो लडकियां तथा एक लडका है। परिवार में कमाने वाला एक मात्र मैं ही हूं। मैं मेहनत मजदूरी करके जितना कमाता हूं उसमें केवल मात्र मेरे परिवार की दो वक्त की रोटी ही नसीव हो पाती है। मेरे पास जमीन भी नहीं है जिससे मैं अपने परिवार का अच्छी तरह पालन पोषण कर सकूं।

मैं एक मिटटी के कच्चे मकान में रहता था। जब वर्षा होती थी तो मुझे मेरे परिवार के साथ कमरे के एक कोने में शरण लेनी पडती थी क्योंकि वारिश का पानी रिस कर नीचे आ जाता था। मैं लज्जा के कारण अपने खास रिश्तेदारों के पास भी नहीं जाता था तथा रिश्तेदारों को अपने घर में भी नहीं बुलाता था। हर समय यह सोचता रहता था कि यदि मेरे पास कोई मेहमान आ गया तो मैं उसे कहां और कैसे ठहराउंगा। अधिकांश रिश्तेदार तो मेरी दशा देखकर मेरा साथ ही छोड गए थे। मैं हर समय अपने आप को कोसता सहता था। क्योंकि मेरी आय सीमित थी जिससे रहने के लिए कमरा नहीं बन सकता था। गरीवी के कारण ही मुझे बीपीएल में चुना गया था।

पंचायत सचिव महोदय से मैंने अपनी व्यथा सुनाई तो उन्होंने ग्राम सभा बैठक में उपस्थित होने की सलाह दी मैं निर्धारित ग्राम सभा की बैठक के दिन ग्राम पंचायत कार्यालय में उपस्थित हो गया । इन्दिरा आवास योजना के अर्न्तगत गृहहीन परिवारों की सूची बनाने का अजेण्डा ग्राम सभा में उठाया गया तथा अन्य उपस्थित ग्राम सभा सदस्यों ने मेरा नाम भी सभा के समक्ष रखा जिस का सभी ने समर्थन किया तथा मेरा नाम भी इन्दिरा आवास योजना सूची में शामिल कर लिया गया।

कुछ समय व्यतीत जाने पर खण्ड विकास अधिकारी चम्बा के माध्यम से गृह निर्माण हेतू राशि स्वीकृत हुई। स्वीकृति पत्र के माध्यम से जब पंचायत सचिव ने मुझे जानकारी दी तो मेरी खुशी का ठिकाना न रहा। जैसे हीखण्ड विकास अधिकारी चम्बा के सौजन्य से प्रथम किस्त प्राप्त हुई मैंने तत्काल घर का कार्य शुरू कर दिया तथा समय पर घर का कार्य पूर्ण कर लिया । अब मेरे पास दो कमरे, एक रसोई घर व शौचालय है। अब मैं बडी खुशी से अपना जीवन व्यतीत कर रहा हूँ। मैं सभी रिश्तेदारों के घर जाता हूं तथा वह भी निःसंकोच मेरे घर आते हैं।

मैं सरकार का अत्यन्त अभारी हूं जिसने गरीवों के लिए योजना बनाई है। मै धन्यवाद करना चांहूगा खण्ड विकास अधिकारी चम्बा का जिनके माध्यम से सरकारी योजना को कार्यरूप दिया गया तथा पंचायत सचिव का भी अभारी रहूंगा जिन्होंने मुझे मार्गदर्शन दिया।
मै पुनः अपने परिवार सहित ग्राम पंचायत खजियार व खण्ड विकास अधिकारी चम्बा का आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने मुझे समाज में अच्छा जीवन व्यतीत करने का अवसर प्रदान किया।

जयहिन्द

प्यार चन्द स्पुत्र श्री कांशी राम,
गांव नई जिमी(वाडी) ग्राम पंचायत खाजियार

इन्दिरा आवास योजना के अन्तर्गत सफलता की कहानी ।

वर्ष 2009-10 में विकास खण्ड तीसा की ग्राम पंचायत पधर जो विकास खण्ड के मुख्यालय से लगभग 6 किलोमीटर दूर है। इन्दिरा आवास योजना के अन्तर्गत श्री राम सिंह पुत्र श्री नरैण सिंह गांव भगसेरी का मकान उक्त योजना के अन्तर्गत स्वीकृत किया गया जिसकी अनुदान राशि 38500/- रु0 थी ।

यह गांव पंचायत मुख्यालय से लगभग 2 कि0 मी0 की दूरी पर स्थित है । श्री राम सिंह जो कि पहले एक छोटे से मिटटी के मकान में पशुओं सहित गुजारा कर रहा था । जब से गरीबों के लिये सरकार द्वारा उक्त योजना आरम्भ की गई है तब से यह योजना बी0पी0एल0 परिवारों के लिये वरदान साबित हुई है । परन्तु इसमें लाभार्थी को काम करने का उत्साह भी होना चाहिए जैसा कि राम सिंह पुत्र नरैण सिंह में यह उत्साह देखने को मिला । उसका मकान जैसे ही स्वीकृत हुआ उसने एकदम से ही मकान का काम शुरु कर दिया तथा मकान दो कमरे रसोई घर व शौचालय एकदम से पूर्ण कर लिया ।

जब इस बारे लाभार्थी से पूछा गया कि आप इस योजना के बारे में कुछ बोलना चाहेंगे तो उन्होंने बडे उत्साह से उतर दिया कि जब से सरकार द्वारा इन्दिरा आवास योजना चलाई गई है तो गरीब, विधवा औरत,अनुसूचित जाति ,अनुसूचित जनजाति, अपंग,अल्प संख्यक और बी0पी0एल0 परिवारों को काफी फायदा हुआ है। इसमें लाभर्थी को कार्य करने की पूरी लगन होनी चाहिए तथा लगन मेहनत से सभी कार्य पूर्ण होते हैं ।

इन्दिरा आवास योजना के अन्तर्गत सफलता की कहानी ।

वर्ष 2009-10 में विकास खण्ड तीसा की ग्राम पंचायत थल्ली जो विकास खण्ड के मुख्यालय से लगभग 10 किलोमीटर दूर है के लिये इन्दिरा आवास योजना के अन्तर्गत श्रीमति डुमणू पत्नी नत्थू गांव शरेला अनुसूचित जाति का मकान उक्त योजना के अन्तर्गत स्वीकृत किया गया जिसकी अनुदान राशि 38500/- रु0 है ।

यह गांव पंचायत मुख्यालय से लगभग 5 कि0 मी0 की दूरी पर स्थित है । श्रीमति डुमणु जो कि पहले एक छोटे से मिटटी के कच्चे मकान में अपने पविार सहित रह रही थी जो कि एक कमरा था तथा पशु भी मजबूरन उसी में बांध रखने पडते थे।

परन्तु जब से गरीबों के लिये उक्त योजना आई तब से बी0पी0एल0 परिवारों को यह योजना बरदान साबित हुई है। परन्तु इसमें लाभार्थी को एक काम करने का उत्साह भी होना चाहिए । जिस तरह कि श्रीमति डुमणु में यह उत्साह देखने को मिला ।

मकान के स्वीकृत होते ही उसने एकदम से मकान का काम शुरु कर दिया तथा मकान दो कमरे व रसोईघर तथा शौचालय एकदम से पूर्ण कर लिया ।

जब इस बारे में उक्त लाभार्थी से पूछा गया कि आप इस योजना के बारे में कुछ बोलना चाहेंगे तो उन्होंने बडे उत्साह से उतर दिया कि जब से सरकार द्वारा इन्दिरा आवास योजना चलाई गई है तो गरीब, विधवा औरत,अनुसूचित जाति ,अनुसूचित जनजाति, अपंग,अल्प संख्यक और बी0पी0एल0 परिवारों को काफी फायदा हुआ है।